Title: Regarding payment of arrears to sugarcane growers' pending with the sugar mills of Uttar Pradesh.

श्री राम नगीना मिश्र (पडरौना) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों की दयनीय स्थिति पर आकर्षित कर रहा हूं। पूरे देश में क्या हो रहा है, लेकिन उत्तर प्रदेश का गन्ना किसान आज रो रहा है, बिलख रहा है, उसकी स्थिति बड़ी दयनीय है। हालत यह है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने सैण्ट्रल गवर्नमेंट को जो जवाब भेजा है, वह बहुत ही निराशाजनक है। अरबों रुपया गन्ने का दाम बाकी है। खुद मेरे निर्वाचन क्षेत्र में 75 करोड़ रुपया बाकी है। 18 करोड़ कानपुर शुगर फैक्टरी कठकुइयां, पडरौना, गौरीगंज में बाकी है, 14 करोड़ रुपया कप्तानगंज में बाकी है, 22 करोड़ रुपया सरदार नगर में बाकी है, पांच करोड़ रुपया सरकारी फैकटरियों में बाकी है, कुल 75 करोड़ रुपया बाकी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने भारत सरकार को जो जवाब भेजा है, उससे गन्ना किसानों का भविय भी अंधकारमय दिखाई देता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने रिपोर्ट भेजी है कि उत्तर प्रदेश चीनी निगम के जिम्मे 35 शुगर फैकटरियां हैं, उनमें से 29 रुग्ण घोषित कर दी गई हैं, बी.आई.एफ.आर. ने कहा है कि ये नहीं चल सकती हैं। इनमें से छः फैक्टरियां बन्द कर दी गईं, शेष फैक्टरियां बन्द होने वाली हैं। इसके अलावा जो कानपुर शुगर वर्क्स थी, जो फैक्टरी भारत सरकार के जिम्मे थी, उसके जिम्मे 18 करोड़ रुपया बाकी थाâ€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : संक्षेप में बोलिये।

श्री राम नगीना मिश्र (पडरौना) : संक्षेप में ही बोल रहा हूं। इतने दिन बाद में आपने मौका दिया है, कम से कम गन्ना किसानों को रोने तो दीजिए। थोड़ा सा सुन तो लीजिए। आज हालत यह है कि जो चार साल से भारत सरकार की मिल कानपुर शुगर वर्क्स थी, उसका केस बी.आई.एफ.आर. में भेजा गया, लेकिन धन्य हैं, बी.आई.एफ.आर. के जज साहेबान, जिन्होंने इसे गंगोत्री एण्टरप्राइज को दे दिया। चार साल में 18 करोड़ रुपया बाकी है और दो साल से मिल भी नहीं चल रही है। कप्तानगंज पर स्टेट गवर्नमेंट ने कुछ कहा ही नहीं है, सरदार नगर पर कुछ कहा ही नहीं है और कई फैक्टरियां भी बन्द होने वाली हैं तो उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों का क्या होगा?

(d2/1315/jr-rsg)

मैं आपसे जानना चाहता हूं.....(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : मेरे से नहीं, सरकार से कहें।

श्री राम नगीना मिश्र : आप हमारे संरक्षक हैं, आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहते हैं। मैं सभी सदस्यों से भी निवेदन करना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश के किसानों ने क्या अपराध किया है, जो उनका अरबों रुपया बकाया है, चार मिलें बंद हैं। मैं कहना चाहता हूं कि केन्द्र सरकार इसमें हस्तक्षेप करे। मंत्री जी मौजूद हैं, मैं उनसे निवेदन करूंगा कि गन्ना किसानों के बारे में कुछ कहें।

उपाध्यक्ष महोदय : मंत्री जी ने जो कहना है, वह कहेंगे। अब आप बैठ जाएं, मैं राम सजीवन जी को बुला रहा हूं।

श्री राम नगीना मिश्र : वहां के गन्ना किसान मर रहे हैं।

उपाध्यक्ष महोदय : शून्य काल में आप मैटर सरकार के सामने रख सकते हैं, लेकिन फौरन उसका जवाब देने के लिए कम्पैल नहीं कर सकते।

श्री राम नगीना मिश्र : सरकार और चीजों पर ध्यान दे रही है, लेकिन उत्तर प्रदेश के गन्ना किसान मर रहे हैं, उनका अरबों रुपया बकाया है, उसकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

डा. रामकृण कुसमरिया (दमोह) : यह बहुत गम्भीर मामला है। किसानों का अरबों रुपया बकाया पड़ा हुआ है।â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : संसदीय कार्य मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं, वह सुनिए।

श्री प्रमोद महाजन : उपाध्यक्ष जी, यह सत्य है कि गन्ना किसानों की समस्या बड़ी है, खास कर जिस क्षेत्र से राम नगीना जी आते हैं। मैं खुद उनके साथ वहां गया हूं। गन्ना मिलें ढंग से नहीं चलाना, यह राज्य सरकार की भी समस्या है। किसानों को पैसा नहीं मिल रहा है, मैं उनकी यह बात कृषि मंत्री जी से कहूंगा।

उपाध्यक्ष महोदय : 75 करोड़ रुपए के बारे में कहा है।

श्री प्रमोद महाजन : किसका बकाया है। We will have to find out who has to pay it and see to it that it is paid. ...(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : आप मंत्री जी को भी नहीं सुनना चाहते। It is impossible to conduct this House.

...(*Interruptions*)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, the `Zero Hour' is turning into a Question Hour for the Minister of Parliamentary Affairs, without even a notice! It is very difficult for me to answer all the questions on the spot.